निबंध-मंथन

गोवा विश्वविद्यालय के बी.ए. द्वितीय वर्ष, हिंदी ऐच्छिक (ऐलेक्टिव)
पाठ्यक्रम के लिए निर्धारित

संपादक मंडल

डॉ० रवीन्द्रनाथ मिश्र
रीडर एवं अध्यक्ष, हिंदी विभाग, गोवा विश्वविद्यालय

प्रा० एच०वी० उपाध्ये
थेंपे कालेज, मीरामार, पणजी, गोवा

डॉ० सरस्वती रामस्वामी
पी०ई०एस० कालेज, फोंडा, गोवा

प्रा० आशा बी० गहलौत
शासकीय महाविद्यालय, खाण्डोला, गोवा

प्रा० चतुरा साकोर्डेकर
सी०ई०एस० कालेज, कुंकोलिम, गोवा

लोकभारती प्रकाशन
१५-ए, महात्मा गांधी मार्ग, इलाहाबाद-१

लोकभारती प्रकाशन
१५-ए, महात्मा गांधी मार्ग
इलाहाबाद-१ द्वारा प्रकाशित

❖

प्रथम संस्करण : १९९८

❖

लेजर-टाइपसेटिंग
प्रिन्टेक, इलाहाबाद-३

❖

इण्डियन प्रेस प्रा० लिमिटेड
इलाहाबाद-१ द्वारा मुद्रित

मूल्य : ३०.००

अनुक्रमणिका

हिंदी निबंध का स्वरूप एवं विकास ... ९

१.	कालचक्र का चक्कर	*बालकृष्ण भट्ट*	... १७
२.	स्वर्ग में विचार सभा का अधिवेशन	*भारतेंदु हरिश्चंद्र*	... २१
३.	शिवशंभु का चिट्ठा	*बालमुकुंद गुप्त*	... २६
४.	कछुआ-धरम	*चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी'*	... २८
५.	आचरण की सभ्यता	*सरदार पूर्णसिंह*	... ३३
६.	क्रोध	*रामचंद्र शुक्ल*	... ४४
७.	खादी और गादी की लड़ाई	*विनोबा भावे*	... ५१
८.	गेहूँ बनाम गुलाब	*रामवृक्ष बेनीपुरी*	... ५६
९.	घोड़ाशाही	*सियारामशरण गुप्त*	... ६१
१०.	हमारे वैज्ञानिक युग की समस्या	*महादेवी वर्मा*	... ६५
११.	आपने मेरी रचना पढ़ी?	*हजारीप्रसाद द्विवेदी*	... ७०
१२.	पाप के चार हथियार	*कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'*	... ७४
१३.	काहे बिन सून अँगनवा	*डॉ० विद्यानिवास मिश्र*	... ७७
१४.	पगडंडियों का जमाना	*हरिशंकर परसाई*	... ८२
१५.	ज़िंदगी को कुरेदती हुई कला	*शरद जोशी*	... ८७
१६.	चोरी का अर्थशास्त्र	*रवींद्रनाथ त्यागी*	... ९१
१७.	एक और लाल तिकोन	*नरेंद्र कोहली*	... ९५

परिशिष्ट ... ९९

(लेखक परिचय, शब्दार्थ तथा टिप्पणियाँ)